



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 617]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 21, 1992/भाद्र 30, 1914

No. 617]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 21, 1992/BHADRA 30, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

नई दिल्ली 21 सितम्बर, 1992

प्रधिसूचना

(आयकर)

क्र. घा. 697(घ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड, आय-कर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 के साथ पठित धारा
80 छ की उपधारा (5) के खण्ड (VI) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने
के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (समूहों का
संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के भाग 2 के उपभाग (क) में
नियम, 11 क के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा,
अर्थात्:—

“धारा 80 छ के अधीन किसी संस्था या निधि के अनुमोदन के
लिए अर्पण

11 कक. (1) धारा 80 छ की उपधारा (5) के खण्ड
VI के अधीन किसी संस्था या निधि के अनुमोदन के
लिए अर्पण प्राप्त संस्था 10 छ में होगा और तीन प्रतिमों
में होगा।

(2) अर्पण के साथ निम्नलिखित दस्तावेज होंगे, अर्थात्

(i) धारा 12 क के अधीन प्रदान किए गए राजस्वोत्पन्न
की प्रति अथवा धारा 10(23) या धारा 10 (23 ग)
के अधीन जारी की गई अधिसूचना की प्रति ;

(ii) संस्था या निधि के किताबलापों पर, उसके प्रारम्भ
से अथवा अन्तिम तीन वर्षों के दौरान जो भी अवधि
कम हो, टिप्पण ;

(iii) निधि या संस्था के लेखाओं की, उसके प्रारम्भ से
अथवा अन्तिम तीन वर्षों के दौरान, जो भी अवधि
कम हो, प्रतियां।

(3) प्रायुक्त, संस्था या निधि से ऐसे और दस्तावेज या जानकारी मांग सकेगा, अथवा ऐसी जांच करवा सकेगा जो वह ऐसी संस्था या निधि के क्रियाकलापों की प्रसृतियत के बारे में अपना समाधान करने के क्रम में आवश्यक समझे।

(4) जहाँ प्रायुक्त का समाधान हो जाता है कि धारा 80छ की उपधारा (5) के खण्ड (i) से (v) तक में अधिकथित सभी शर्तें, संस्था या निधि द्वारा पूरी कर दी गई हैं वहाँ वह ऐसा समाधान जिम्मा रूप में अभिलिखित करेगा और संस्था या निधि को उस निर्धारण बर्ष या बर्षों को रिनिटिड करने हुए, जिसके/जिनके निर अनुमोदन विधिवान्व है, अनुमोदन देगा।

(5) जहाँ प्रायुक्त का यह समाधान हो जाता है कि धारा 80छ की उपधारा (5) के खण्ड (i) से (v) तक में अधिकथित एक या अधिक शर्तें पूरी नहीं की गई हैं वहाँ वह अनुमोदन के लिए आवेदन को, लिखित रूप से नामजूर करने के लिए कारण अभिलिखित करने के पश्चात्, नामजूर कर देगा :

परन्तु यह कि किसी आवेदन की नामजुरी का कोई आदेश संस्था या निधि को सुनवाई का अवसर दिए गए बिना पारित नहीं किया जाएगा।

(6) वह समय की परिसीमा, जिसके भीतर प्रायुक्त या तो अनुमोदन देते हुए अथवा आवेदन नामजूर करते हुए कोई आवेदन पारित करेगा, उस तारीख से जिसकी ऐसा आवेदन किया गया था, छह मास से अधिक नहीं होंगे :

परन्तु यह कि छह मास की अवधि की संगणना करने में उपनियम (3) के अधीन प्रायुक्त के निवेदनों का अनुपालन करने में आवेदक द्वारा लिए गए किसी समय की अपवर्जित किया जाएगा।

3. प्रायुक्त नियम, 1962 के परिशिष्ट 2 में प्रकर संख्या 10ब के पश्चात् निम्नलिखित प्राव्य अंग-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"प्रकर सं. 10छ

(नियम 11 फक देखिए)

प्राय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80छ(5)(vi) के अधीन संस्था या निधि का अनुमोदन देने या उसको बनाए रखने के लिए आवेदन

1. संस्था/निधि का पूरा नाम
(स्पष्ट अवसरों में)

2. संस्था/निधि के रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता

3. विधिक प्रास्थिति
(रूपमा विनिदिष्ट करे कि संस्था/निधि—

(i) लोक पूर्त न्यास के रूप में गठित है ;

(ii) सीताद्वी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन या भारत के किसी भाग में प्रवृत्त उस अधिनियम की सत्स्पायी किसी विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है ;

(iii) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है ;

(iv) विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय है ,

(v) सरकार द्वारा या विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय द्वारा मान्यताप्राप्त अथवा विधि द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्था या निधि है।

(vi) सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा पूर्णतः या भागत वित्तपोषित कोई संस्था है।

(vii) खेल या खेलकूद का नियंत्रण करने, पर्यवेक्षण करने, विनियमन करने या प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्थापित कोई संस्था है और वह इस प्रयोजन के लिए धारा 10(23) के अधीन अनुमोदित है, अथवा

(viii) संघ के सशस्त्र बलों द्वारा ऐसे बलों के भूतपूर्व या वर्तमान सदस्यों के अथवा उनके आश्रितों के कल्याण के लिए स्थापित कोई रेजिमेंट संबंधी निधि है अथवा गैर लोक निधि ।

4. संस्था / निधि के उद्देश्य और वह भूगोलीय क्षेत्र, जिसके ऊपर उसके क्रियाकलाप किए जाते हैं।

5. संस्था या निधि के ध्यासियों/अधिकारियों के नाम और पते।

6. (i) यदि प्राय-कर अधिनियम की धारा 12क के अधीन रजिस्ट्रीकृत है तो रजिस्ट्रीकरण संख्या और रजिस्ट्रीकरण की तारीख,—

(ii) यदि प्राय-कर अधिनियम की धारा 10 (23) या धारा 10 (23ग) के अधीन अधिसूचित है तो उसके ध्योरे ।

(iii) यदि (i) और (ii) के उत्तर सकारात्मक हैं तो क्या उसके लिए कोई आवेदन फाइल किया गया है ? यदि हाँ तो उसकी एक प्रति संलग्न करें।

7. (क) अन्तिम अनुमोदन को, यदि कोई हो, अवधि। कृपया अनुमोदन की प्रति संलग्न करें।

(ख) यदि अन्तिम अनुमोदन के पश्चात् से उद्देश्यों और लक्ष्यों में तथा नियमों और विनियमों में कोई परिवर्तन किया गया है तो उसके ध्योरे ।

8. निर्धारण विनिदिष्ट।

(क) वह पार्श्व/सफाया जहाँ निर्धारण किया गया है और स्थायी लेखा संख्याओं जो आई आर संख्याक.

(ख) क्या आय धारा 10(22), 10(2क) 10(23) 10(23क), 10(23ग) या 11 के अधीन छूट प्राप्त है ?

(ग) क्या कर का कोई बकाया है यदि हाँ, तो कारण दीजिए ।

9. उक्त मध (4) में वर्णित प्रयोजनों के लिए संबंधित रकम ।

10. (i) विनिधान को प्रकृति मूल्य और उससे आय को वर्णित करते हुए, उन रीतियों के बारे में जिनमें निधियाँ विनिहित की गई हैं या जमा की गई हैं ,

(ii) क्या कोई निधि धारा 11(5) में विनिर्दिष्ट रीति से विनिहित नहीं की गई है ?

11. (i) क्या संस्था / निधि कोई कारबार कर रही है ? यदि हाँ तो उसके बारे में दीजिए ।

(ii) क्या कारबार उसके उद्देश्यों की पूर्ति से प्रासंगिक है ?

12. (रीकड से निम्न) अभिदायों की प्रकृति, मात्रा और मूल्य के बारे में और वह रीति जिनसे ऐसे अभिदायों का उपयोग किया गया है ?

13. धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट रूप में किसी हितव्य व्यक्ति से स्थान द्वारा या उसकी और से किये गए ऋणों (शेयरों), प्रतिभूति या अन्य सम्पत्ति के बारे में ।

14. क्या संगम की आय के किसी भाग या किसी सम्पत्ति का ऐसी रीति से उपयोग किया गया था या उपयोजन किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से धारा 13 की उपधारा (3) में विनिर्दिष्ट रूप में किसी हितव्य व्यक्ति को कोई फायदा, सुविधा या उपलब्धि हुई (चाहे उसे धन में संगठित किया गया हो या नहीं) यदि हाँ तो उसके बारे में ।

में प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास से है

मैं वचन देता हूँ कि इसके पश्चात् संस्था/निधि को शासित करने वाले निबंधनों या शर्तों में हुए किसी परिवर्तन को संस्थान संयोजित करना ।

स्थान----- हस्ताक्षर-----

तारीख----- पदाधिभार-----

पता-----

टिप्पणः—

आवेदन प्रसार (तीन प्रतियों में) संस्था या निधि पर अधि-कारित रखने वाले आय-कर आयुक्त को निम्नलिखित दस्तावेजों सहित भेजा जाना चाहिए :

(i) धारा 12क) के अधीन प्रदान किए गए राजस्वकरण का प्रति अथवा धारा 10(23) या धारा 10(23ग) के अधीन जारी की गई अधिसूचना की प्रति ;

(ii) संस्था या निधि के क्रियाकलापों पर उनके प्रारम्भ से अथवा अंतिम तीन वर्षों के दौरान, जो भी अवधि कम हो, टिप्पण ;

(iii) संस्था या निधि के लेखाओं की उसके प्रारम्भ से अथवा अंतिम तीन वर्षों के दौरान जो भी अवधि कम हो, प्रतियाँ

[मं. 9099 का.सा. 142/16/92/टं. पी.एल.]

के. एम. मुखर्जी
निदेशक (टी पी एल)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Central Board of Direct Taxes)

New Delhi, the 21st September, 1992

NOTIFICATION

(Income-Tax)

S.O. 697(E).—In exercise of the powers conferred by clause (vi) of sub-section (5) of section 80G read with section 295 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventeenth Amendment) Rules, 1992.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Part II of the Income-tax Rules, 1962, in sub-part E, after rule 11A, the following shall be inserted, namely :—

“Requirements for approval of an institution or fund under section 80G

11AA. (1) The application for approval of any institution or fund under clause (vi) of sub-section (5) of section 80G shall be in Form No. 10G and shall be made in triplicate.

(2) The application shall be accompanied by the following documents, namely :—

(i) Copy of registration granted under section 12A or copy of notification issued under section 10(23) or 10(23C) ;

(ii) Notes on activities of institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less ;

(iii) Copies of accounts of the institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less.

(3) The Commissioner may call for such further documents or information from the institution or fund or cause such inquiries to be made as he may deem necessary in order to satisfy himself about the genuineness of the activities of such institution or fund.

(4) Where the Commissioner is satisfied that all the conditions laid down in clauses (i) to (v) of sub-section (5) of section 80G are fulfilled by the

institution or fund, he shall record such satisfaction in writing and grant approval to the institution or fund specifying the assessment year or years for which the approval is valid.

(5) Where the Commissioner is satisfied that one or more of the conditions laid down in clauses (i) to (v) of sub-section (5) of section 80G are not fulfilled, he shall reject the application for approval, after recording the reasons for such rejection in writing :

Provided that no order of rejection of an application shall be passed without giving the institution or fund an opportunity of being heard.

(6) The time limit, within which the Commissioner shall pass an order either granting the approval or rejecting the application shall not exceed six months from the date on which such application was made :

Provided that in computing the period of six months, any time taken by the applicant in not complying with the directions of the Commissioner under sub-rule (3) shall be excluded.

3. In Appendix II of the Income-tax Rules, 1962, after Form No. 10F, the following form shall be inserted, namely :—

"FORM No. 10G

(See Rule 11AA)

Application for grant of approval or continuance thereof to institution or fund under section 80G(5)

(vi) of the Income-tax Act, 1961

1. Name of the institution/fund in full :

(in block letters)

2. Address of the registered office of the institution/fund :

3. Legal status :

(Please specify whether the institution/fund is—

(i) constituted as public charitable trust.

(ii) registered under the Societies Registration Act, 1860, (21 of 1860) or under any law corresponding to that Act in force in any part of India.

(iii) registered under section 25 of the Companies Act, 1956, (1 of 1956).

(iv) University established by law.

(v) any other educational institution recognised by the Government or by any University established by law or affiliated to any University established by law.

(vi) an institution wholly or partly financed by the Government or a local authority.

(vii) an institution established with the object of controlling, supervising, regulating or controlling games or sports and is approved for this purpose under section 10(23) or

(viii) a Regimental Fund or Non-Public Fund established by the armed forces of the Union for the welfare of past or present members of such forces or their dependents)

4. Objects of the institution/fund and geographical area over which its activities are undertaken :

5. Names and addresses of trustees/office bearers of the institution or fund.

6. (i) If registered under section 12A(a) of the Income-tax Act, the registration number and date of registration.

(ii) If notified u/s 10(23) or u/s 10(23C) of the Income-tax Act, the details thereof.

(iii) If responses to (i) & (ii) are negative, whether any application for the same has been filed? If yes, enclose a copy of the same.

7. (a) Period of last approval, if any. Please enclose a copy of the approval.

(b) If any change in the aims and objects and the rules and regulations have been made since the last approval, the details thereof.

8. Assessment particulars :—

(a) Ward/Circle where assessed and permanent account number/GIR number

(b) Is the income exempt under sections 10(22), 10(22A), 10(23), 10(23AA), 10(23C) or 11?

(c) Whether any arrears of taxes are outstanding? If so, give reasons.

9. Amount accumulated for the purposes mentioned in item (4) above.

10. (i) Details of modes in which the funds are invested or deposited, showing the nature, value and income from the investment ;

(ii) Whether any funds have not been invested in the modes specified in section 11(5) ?

11. (i) Is the institution/fund carrying on any business? If yes, give details.

(ii) Is the business incidental to the attainment of its objects?

12. Details of nature, quantity and value of contributions (other than cash) and the manner in which such contributions have been utilised.

13. Details of shares, security or other property purchased by or on behalf of the trust from any interested person as specified in sub-section (3) of section 13.

14. Whether any part of the income or any property of the association was used or applied, in a manner which results directly or indirectly in conferring any benefit, amenity or perquisite (whether converted into money or not), on any interested person as specified in sub-section (3) of section 13? If so, details thereof.

I certify that information furnished above is true to the best of my knowledge and belief.

I undertake to communicate forthwith any alteration in the terms or in the rules governing the institution/fund made at any time hereafter.

Place Signature

Date Designation

Address

Notes :

The application form (in triplicate) should be sent to the Commissioner of Income-tax having jurisdiction over the institution or fund along with the following documents :

- (i) Copy of registration granted under section 12A or copy of notification issued under section 10(23) or section 10(23C).
- (ii) Notes on activities of institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less;
- (iii) Copies of accounts of the institution or fund since its inception or during the last three years, whichever is less"

[No. 9099 F. No. 142/16/92(TPL)]

K. M. SULTAN, Director (TPL)

Note : The principal rule viz. Income-tax Rules, 1962, as amended from time to time was made vide S.O. 969 dated 26-3-1962.

